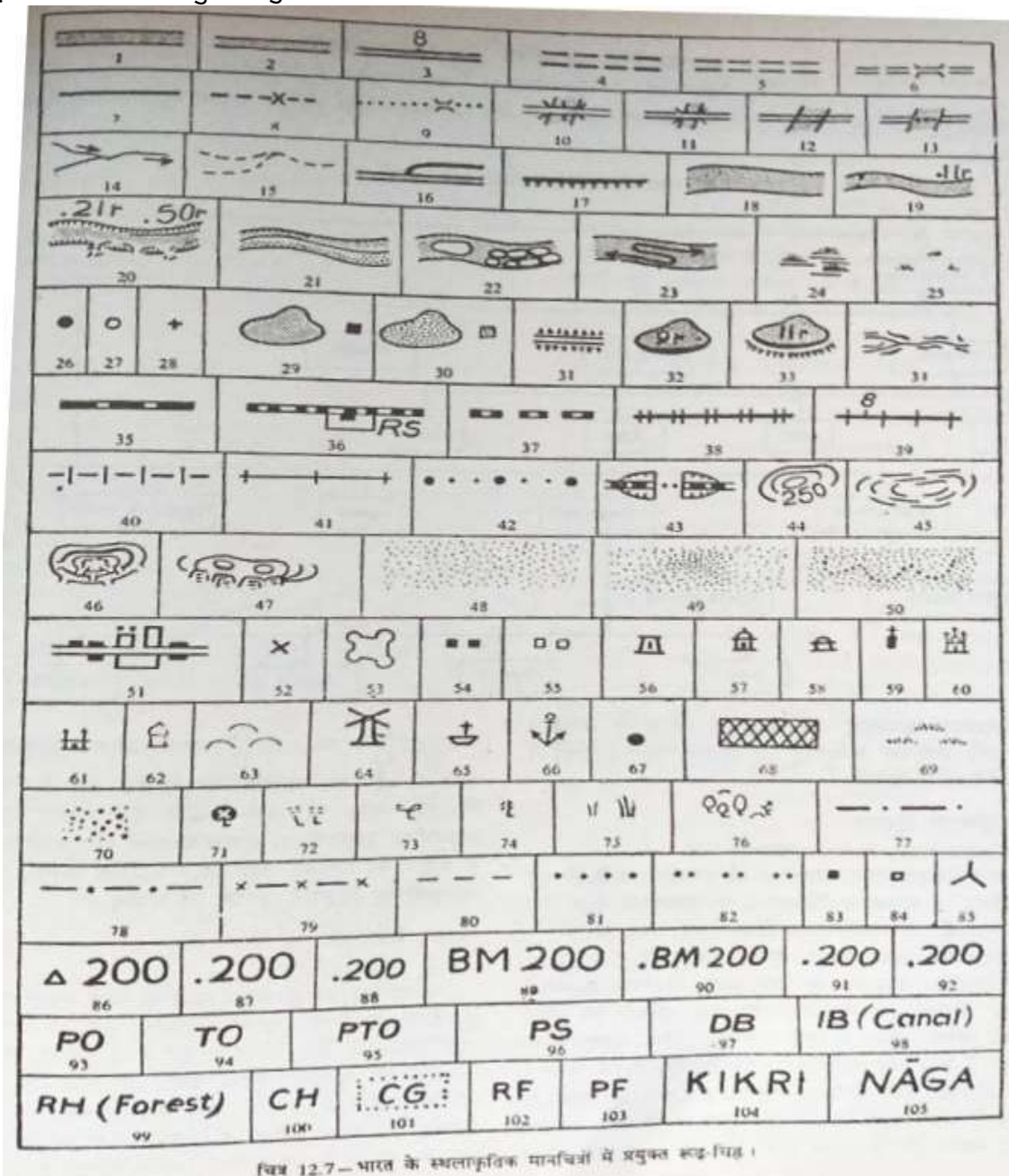


भूआकृतिक मानचित्र / स्थलाकृतिक मानचित्र Topographical Map

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान

रूढ चिन्ह (Conventional Signs)

स्थलाकृतिक मानचित्र में भिन्न-भिन्न भौतिक एवं सांस्कृतिक लक्षणों को भिन्न-भिन्न संकेतों की सहायता से प्रकट किया जाता है। इन संकेतों को रूढ चिन्ह या रूढ संकेत कहते हैं। इन चिन्हों का अर्थ समझे बिना स्थलाकृतिक मानचित्र की सही-सही व्याख्या करना असंभव है। कुछ स्थलाकृतिक मानचित्र में पाठकों की सुविधा हेतु नीचे की ओर मुख्य रूढ संकेतों की सूची बनी होती है। कुछ प्रमुख रूढ चिन्हों को चित्र के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।



चित्र 12.7 – भारत के स्थलाकृतिक मानचित्रों में प्रयुक्त रूढ-चिह्न।

संकेत

- (1) पक्की सड़क (metalled road), (2) अपैक्षाकृत कम महत्वपूर्ण पक्की सड़क, (3) पक्की सड़क व मील-पत्थर (milestone), (4) कच्ची सड़क (unmetalled road), (5) कम महत्वपूर्ण कच्ची सड़क, (6) कच्ची सड़क व पुल (bridge)।
 (7) रस्सा (cart-track), (8) पर्यु-मार्ग (pack-track) व दर्रा (pass), (9) पुल सहित पगडंडी, (10) पोतघाट (pier) सहित पुल, (11) पोतघाट रहित पुल, (12) काबजे (causeway), (13) पदतार्य नदी (ford) या नौकाघाट (ferry)।
 (14) सरिता-घाट (stream-bed) में मार्ग, (15) अपरिभाषित सरिता, (16) नहर, (17) जिलाइ बांध (masonry dam), (18) डालू सरिता-तट, (19) 10 से 19 फीट तक ऊँचा सरिता-तट।
 (20) 19 फीट से अधिक ऊँचा सरिता-तट, (21) जलवाहिका (water channel) युक्त शुष्क नदी, (22) रौल व द्वीप (टापू) युक्त नदी, (23) ज्वारीय नदी (tidal river), (24) दलदल या अनूप (swamp), (25) नरसल या नरकट (reed)।
 (26) पक्का कुआँ (lined well), (27) कच्चा कुआँ, (28) सोता (spring), (29) जलयुक्त अलाशय, (30) शुष्क अलाशय, (31) तटबंध (embankment), (32) सड़क या रेल तटबंध (33) जलाशय तटबंध, (34) टूटी-फूटी भूमि (broken ground)।
 (35) दोहरी बड़ी रेललाइन (broad gauge double railway), (36) स्टेशन सहित इकहरी बड़ी रेललाइन, (37) निर्माणाधीन रेलमार्ग, (38) दोहरी अन्य गेज़ रेललाइन, (39) मील-पत्थर सहित इकहरी अन्य गेज़ रेललाइन।
 (40) निर्माणाधीन अन्य गेज़ रेलमार्ग, (41) ट्रामवे (tramway), (42) टेलीग्राफ लाइन, (43) सुरंग (tunnel), (44) समोच्च रेखाएँ, (45) आकृति-रेखाएँ।
 (46) चट्टानी ढाल, (47) भूगु (cliff), (48) बालू मैदान (sand flat), (49) स्थायी बालू पहाड़ी, (50) स्थानान्तरती रेत-टीले (shifting sand dunes)।
 (51) बसा हुआ ग्राम, (52) खण्डहर ग्राम (deserted village), (53) किला (fort), (54) स्थायी झोंपड़ियाँ, (55) अस्थायी झोंपड़ियाँ, (56) मीनार, (57) मन्दिर (58) छत्री, (59) गिरजाघर, (60) मस्जिद।
 (61) ईदगाह, (62) मकबरा, (63) कब्रिस्तान, (64) लाइट-हाउस, (65) प्रकाश-पोत (lightship), (66) लंगरगाह (anchorage), (67) खान (mine), (68) लता-उद्यान, (69) घास।
 (70) झाड़ी, (71) पशुध्या ताड़ (palmyra), (72) अन्य ताड़, (73) प्लैटिन (plantain) (74) शंकुवृक्ष (conifer), (75) घास, (76) अन्य वृक्ष, (77) अन्तरीष्ट्रीय सीमा।
 (78) सर्वेक्षित राज्य सीमा, (79) असर्वेक्षित राज्य सीमा, (80) जंगल सीमा, (81) तहसील सीमा (82) वन सीमा, (83) सर्वेक्षित सीमा स्तंभ, (84) अनिर्दिष्ट सीमा स्तंभ, (85) ग्रामीण त्रिसीमा (village trijunction)।
 (86) त्रिभुज स्टेशन (triangulation station), (87) त्रिभुज बिन्दु, (88) अनुमानित ऊँचाई, (89) भूगणितीय तल चिह्न, (90) दर्राशयरी तल चिह्न, (91) नहर तल चिह्न (नीले रंग में), (92) अन्य तल चिह्न।
 (93) डाकघर, (94) तारघर, (95) डाक व तारघर, (96) पुलिस-स्टेशन, (97) डाक बंगला, (98) निरीक्षण बंगला (नहः)।
 (99) विश्राम-घर (वन), (100) सर्किट हाउस, (101) शिथिल स्तन (camping ground), (102) आरक्षित वन (reserved forest), (103) संरक्षित वन (protected forest), (104) प्रशासनिक क्षेत्र का नाम, (105) स्थान या जनजाति-क्षेत्र का नाम।

ऊपर के दो चित्र स्रोत: प्रायोगिक भूगोल: जे पी शर्मा

सड़कें : पक्की, महत्वानुसार, मील पत्थर	
सड़कें : कच्ची, महत्वानुसार, पुल	
रास्ता : लददू का, दर्रे सहित, पगडंडी, पुल सहित	
नाले : तल में मार्ग सहित, अनिश्चित, नहर	
बाँध : धिना हुआ अथवा पत्थरों से पटा, मिट्टी से पटा, बाँधिका	
नदी : सूखी, धारा सहित, द्वीप और चट्टान सहित, ज्वारीय नदी	
दलदल : नद	
कूप : पक्का, कच्चा। सोता। तालाब : बारहमासी; अन्य	
पुश्ते : सड़क अथवा रेल की पटरी के	
रेल की पटरी : चौड़ी लाइन, दोहरी; इकहरी स्टेशन सहित, निर्माणाधीन	
रेल की पटरी : अन्य लाइनें, दोहरी; इकहरी मील-पत्थर सहित, निर्माणाधीन	
हल्की रेलवे या ट्रामवे। तार। कटान सुरंग सहित	
समोच्च-रेखाएँ भूगु	
बालू के आकार (1) सपाट, (2) बालू के टिब्बे (पक्के), (3) बालू के टिब्बे (कच्चे)	
नगर अथवा गाँव : आबाद, उजाड़, गढ़	
झोंपड़ियाँ : स्थायी, अस्थायी। मीनार। पुरातन अवशेष	
मंदिर, छतरी, गिरजाघर, मस्जिद, ईदगाह, मकबरा, कब्रें	
प्रकाश स्तंभ। प्रकाशपोत। बोया : प्रकाशित, अप्रकाशित, लंगरगाह	
खान, बेल, जाली पर चढ़ी, घास, झाड़	
पनई ताड़, अन्य ताड़, शंकु जाति, बाँस, अन्य पेड़	
सीमा : अंतर्राष्ट्रीय	
सीमा राज्य : सीमांकित, असीमांकित	
सीमा जिला : परगना, तहसील या ताल्लुक, वन	
सीमा-स्तंभ : सर्वेक्षित, अनुपलब्ध, गाँवों का त्रिसीमास्तंभ	
ऊँचाई : त्रिकोणीय, चाँदे की बिंदु, सन्निकट	
तल चिह्न : ज्योड्रीय, तरशियरी, नहर, अन्य	
डाकघर, तारघर, डाकतार घर, धाना	
डाक या यात्री बंगला, निरीक्षण भवन, विश्राम गृह	
सर्किट हाउस, पड़ाव	
वन : आरक्षित, संरक्षित	

चित्र 6.2 रूढ़ चिह्न और संकेत

चित्र स्रोत: सरस्वती भूगोल: डी आर खुल्लर

स्थलाकृतिक मानचित्र की अध्ययन विधि

स्थलाकृतिक अंशचित्रों में रूढ़ चिन्हों की सहायता से किसी क्षेत्र के निम्नलिखित भौतिक एवं सांस्कृतिक लक्षणों को प्रदर्शित किया जाता है:

भौतिक लक्षण

उच्चावच: पर्वत, पठार, मैदान, अन्य

अपवाह तंत्र

वनस्पति

सांस्कृतिक लक्षण

मानवीय बस्तियां: ग्रामीण बस्तियां, नगरीय बस्तियां

परिवहन मार्ग: सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, वायुमार्ग

संचार

सिंचाई के साधन

अन्य

स्थलाकृतिक मानचित्रों का वैज्ञानिक विधि से अध्ययन करने के लिए उपरोक्त अंतर्वस्तु को अलग-अलग शीर्षकों में व्याख्या की जाती है ।

सन्दर्भ: प्रायोगिक भूगोल: जे पी शर्मा, सरस्वती भूगोल: डी आर खुल्लर
